

नांदगांव टाइम्स

शनिवार, 26 अप्रैल 2025, राजनांदगांव

आरएनआई 30910/76

वर्ष 49, अंक 186, पृष्ठ 04, मूल्य 3 रुपये



॥ जय श्री जलाराम ॥
श्री जलाराम प्रॉपर्टी डीलर
उचित दर पर मकान, प्लेट, ड्रिलवेल्स,
दुकान, ऑफिस, गोदाम, जमीन, प्लॉट
की खरीदी-बिक्री हेतु संपर्क करें।
ऑफिस: बागड़ी बस्टॉप के बाईं में, रामाकेरन कान, राजनांदगांव।
मो: 98274-61508, 83192-88559

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण हुआ कर्ममुक्त

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की नीतियों से मिला वित्तीय स्वावलंबन, अब विकास को मिलेगी और तेज गति

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर से एक प्रेरणादायक और सुखद खबर सामने आई है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण, जिसे पहले एनआरडीए के नाम से जाना जाता था, अब पूरी तरह से कर्ममुक्त हो गया है। प्राधिकरण ने 1788 करोड़ रुपये का सारा कर्ज चुका दिया है, जो कि भारत सरकार और कई राष्ट्रीयकृत बैंकों से लिया गया था। साथ ही 100 करोड़ रुपये की सरकारी गारंटी भी अब राज्य सरकार को लौटा दी है। इस उपलब्धि का श्रेय छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की नीतियों, वित्तीय अनुशासन और पारदर्शी प्रशासन को जाता है। यह कदम नवा रायपुर को आधुनिक विकास और नई परियोजनाओं के क्रियान्वयन में मददगार होगा। नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ की आधुनिक और

नियोजित राजधानी, के विकास के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिया गया था। यह कर्ज भूमि अधिग्रहण, सड़कों, शासकीय भवनों और शैक्षणिक संस्थानों जैसे हृदयतुल्य विकासविद्यालय के निर्माण के लिए था। हालांकि, कर्ज के बोझ और व्याज भुगतान ने प्राधिकरण के नगदी प्रवाह को प्रभावित किया था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय स्वावलंबन पर जोर देते हुए ऐसी नीतियां लागू कीं, जिन्होंने प्राधिकरण की आय बढ़ाई और कर्ज से छुटकारा दिलाने का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि नवा रायपुर अटल नगर का ऋणमुक्त होना एक सुखद संकेत है। हमारी सरकार ने वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और रणनीतिक नियोजन के माध्यम से यह सुनिश्चित



किया कि प्राधिकरण न केवल कर्ज से मुक्त हो, बल्कि आत्मनिर्भर बनकर विकास की नई ऊँचाइयों को छूए। यह उपलब्धि नवा रायपुर को एक आधुनिक, रोजगारी-सृक्षी और सुविधायुक्त शहर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है। छत्तीसगढ़ सरकार की नीतियों ने

आकर्षित किया। छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2024-25 के वित्तीय अनुपूर्वक बजट में नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के लिए 1043 करोड़ रुपये का प्रावधान और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त धन आवंटन ने आय के स्रोतों को मजबूत किया। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ बकाया कर, व्याज एवं शांति के निपटान (संशोधन) अध्यादेश-2025 के तहत व्यापारियों को राहत ने आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ नवा रायपुर विकास प्राधिकरण को मिला है। वित्तीय मुक्ति के साथ, प्राधिकरण की सभी संपत्तियों अब बंधनमुक्त हो गयी हैं, जिससे उनका उपयोग और ऋण-विक्रय आसानी से हो सकेगा। इससे नगदी प्रवाह बेहतर होगा और अधोसंरचना, सार्वजनिक सेवाओं और नई परियोजनाओं को तेजी से लागू किया

जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम नवा रायपुर को मेडिकल टूरिज्म और औद्योगिक विकास का केंद्र बनाएगा। नागरिकों को बेहतर सुविधाएँ मिलेंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण की यह उपलब्धि वित्तीय अनुशासन और रणनीतिक नियोजन का एक अमूल्य उपकरण है। यह देश के अन्य शहरी विकास प्राधिकरणों के लिए अनुकरणीय है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा लक्ष्य नवा रायपुर को न केवल छत्तीसगढ़ की गौरवशाली राजधानी बनाना है, बल्कि इसे देश के लिए एक मॉडल शहर के रूप में स्थापित करना है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी का कहना है कि नवा रायपुर छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का नया ग्रोथ इंजन बनने जा रहा है।

राजनांदगांव के आरला और तोरणकट्टा में निकली कलश जल यात्रा

पद्म श्री फूलबासन यादव ने जल संरक्षण और पंचायतों का दिनांक संकेत

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। विकासखंड राजनांदगांव के ग्राम आरला और तोरणकट्टा में जल संरक्षण एवं पर्यावरण बचाने हेतु जागरूकता की अनूठी मिसाल देखने को मिली। हरियाली बहिनी संगठन द्वारा कलश जल यात्रा निकालकर जल संरक्षण एवं पंचायतों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने का अभियान प्रारंभ किया गया। इस विशेष आयोजन में पद्म श्री सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती फूलबासन यादव की प्रेरक उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा से हुई, जिसमें महिला स्वयंसेविका समूह की सदस्यएँ पारंपरिक परिधान में कलश भर कर लेकर पूरे गांव में घूमतीं और जल एवं हरियाली बचाने का संदेश देती हैं। इसके पश्चात आयोजित सभा में पंचायती सूचबासन यादव ने जल की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के लिए संकेत दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, पचानी जीवन का मूल है, इसका संरक्षण हम

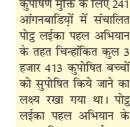


सभी की जिम्मेदारी है। जल, जो हमारे रबी फसलों में धान के स्थान पर कम जल की आवश्यकता वाली फसलों को प्राथमिकता देने की अपील की और प्रत्येक घर में सौक्य जल संयंत्र की आवश्यकता पर जोर दिया। फूलबासन यादव ने जल संरक्षण को अधिक से अधिक पंचायतों पर करने के लिए प्रेरित कर दिया। उन्होंने कहा कि पंचायतों से न केवल पंचायत संगठन कायम रहता है, बल्कि

वर्षों और भूमिगत जलस्तर को बनाए रखने में भी मदद मिलती है। इस अवसर पर सदस्य विला पंचायत श्रीमती देवकुमारी साहू, ग्राम आरला की सरपंच श्रीमती साधना साहू, उप सरपंच श्रीमती शशिक्ला देवांगन, श्री शिव कुमार देवांगन, हरियाली बहिनी संगठन की सदस्यएँ, ग्राम संगठन के पदाधिकारी, विधान केन्द्र और क्षेत्र के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम ने ग्रामीणों में जागरूकता को अलग जगाई और जल, जंगल, जमीन के संरक्षण को दिशा में सामूहिक भागीदारी को बल प्रदान किया। ग्रामीणों ने भी इस पहल को सहजता की ओर सकारात्मक रूप से सहयोग देने का संकल्प लिया।

पोट्ट लईका पहल पूरे जिले में लागू

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जिला प्रशासन राजनांदगांव द्वारा



कुपोषण मुक्ति के लिए 241 आंगनवाडियों में संचालित पोट्ट लईका पहल अभियान के तहत विचारित कुल 3 हजार 413 कुपोषित बच्चों को सुपोषित करने जाते का लक्ष्य रखा गया था। पोट्ट लईका पहल अभियान के सफल क्रियान्वयन से कुल

2136 कुपोषित बच्चे (62.58 प्रतिशत) सुपोषण की श्रेणी में आ चुके हैं। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती हनुवती ने बताया कि पोट्ट लईका पहल अभियान को अग्रणी को देखते हुए इस अभियान को समूचे राजनांदगांव जिले के प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्रों में क्रियान्वित करने जाते का निर्णय लिया गया। जिसके फलस्वरूप इस पहल का क्रियान्वयन जिले अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में प्रारंभ कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर हितगाहियों से किया संवाद

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर बिहार राज्य के माधेपुरी जिले के लोहाटा ग्राम पंचायत में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देशभर की विभिन्न ग्राम पंचायतों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संवाद स्थापित किया। इस दौरान जिले के जनपद पंचायत राजनांदगांव अंतर्गत अपने वाले ग्राम पंचायत गड्डा से भी हितागती हुए जनप्रतिनिधि वीडियो कॉन्फ्रेंस माध्यम से कार्यक्रम जुड़े। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ग्राम पंचायत गड्डा के हितागती से संबन्धित विचार और प्रतिक्रियाएं लीं। राजनांदगांव में पंचायत स्तर पर पंचर रहे विकास कर्मी की जानकारी सहाय की उपस्थिति श्री नरेंद्र मोदी ने पंचायती राज की सुदृढ़ता और ग्राम स्वराज को दिशा में दिए जा रहे कर्मी को सहजता की और ग्राम पंचायतों की आत्मनिर्भर बनने की दिशा में केन्द्र सरकार की

योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने डिजिटल इंडिया अभियान के तहत पंचायतों के डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। ग्राम गड्डा के प्रतिनिधियों ने बताया कि पंचायत में विभिन्न विकास योजनाओं का लाभ हितागतीयों को मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार हो रहा है। साथ ही उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की मजबूत बनाने के लिए किए गए प्रयासों की भी जानकारी दी। पंचायती राज दिवस पर यह आयोजन न केवल ग्राम स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, बल्कि इससे स्थानीय शासन में जनसमर्थन को भी प्रोत्साहन मिला। इस अवसर पर अध्यक्ष जनपद पंचायत राजनांदगांव, विला एवं जनपद पंचायत के सदस्य, मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला पंचायत सुशी सुबुचि सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी वहाँ बड़ी संख्या में शामिलजन उपस्थित थे।



राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। जन्म कर्मिण के पहलगाय में मंगलवार की निर्दोष पर्यटकों की आतंकवादीयों द्वारा गोली मारकर हत्या करने की घटना की पून्य सिंधी समाज राजनांदगांव ने कड़ी निंदा की है। साथ बेनीत मारे गए मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी शोक-संवेदना व्यक्त कर इस घटना के घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ को ईश्वर से कामना की है। पून्य सिंधी पंचायत झुलाल नगर के मीडिया

प्रभारी व प्रवक्ता अशोक पंचवानी ने बताया कि बैठक में पून्य सिंधी पंचायत के पदाधिकारियों ने पहलगाय में आतंकी घटना की तीखी निंदा करते हुए कहा कि यह घटना देश की आत्मा पर हमले जैसा ही है। केन्द्र सरकार को चाहिए कि आतंकवादियों को प्रत्यक्ष देने वाले पाकिस्तान को इसका माकूल जवाब देने का वक आ गया है, इसलिए तत्काल कड़े निर्णय लेकर पाकिस्तानी आतंकवादियों को सबक सिखाएँ। बैठक में पहलगाय घटना में मृत निर्दोष लोगों के प्रति दो मित्र का मीन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई और घायलों के शीघ्र स्वास्थ लाभ हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। बैठक में प्रमुख रूप से पून्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष ब्रह्मानंद बजाज, लोचनदेव लहरवानी, सुरेश भीमानानी, लक्ष्मी आहुजा, राजा भोजवानी, सुनील आहुजा, सली लहरवानी, जौ आहुजा, टेकचंद बजाज, अर्जुन दास बजाज आदि मौजूद रहे।

बात को समझो, यार, जब मुझे मेरे धरम के श्लोक नहीं आते तो तेरे धरमा का कलमा कहाँसे आयेगा...!!



ट्रस्ट समिति के रोपवे में हुआ हादसा : पूर्व मंत्री सहित 3 भाजपा नेता हुए घायल, संचालक कंपनी के ऊपर हुई एफआईआर



डोंगरगढ़। मुन्नाबाब को पूर्व वन मंत्री रायसेवक पैकरा अपने सार्वजनिक के साथ माता के दरबार पहुँचे थे। इस दौरान ट्रस्ट द्वारा संचालित रोपवे में तकनीकी खराबी के

कारण रोपवे की टूटनी डिरल हो गई। इसमें सवार सभी 6 लोग दुर्घटना के शिकार हुए हैं। जिसमें प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा को काफी ज्यादा चोट आई। और उन्हें निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव रेफर कर दिया गया। इस घटना में पूर्व वन मंत्री राम सेवक पैकरा के साथ सवार बाकी के लोगों को हल्की चोटें आई हैं। जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद स्वास्थ्य लाभ दिया गया। लगभग 2 घंटे के जांच के बाद सभी लोग अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। ट्रस्ट की मानें तो छत्तीसगढ़ वन विकास निगम के अध्यक्ष राम सेवक पैकरा मंदिर दर्शन के बाद ट्रस्ट के द्वारा संचालित हो रहे रोपवे के विपक्ष में जानकारी लेना चाह रहे हैं। ऐसे माहौल में ही ऐसी घटना काफ़ी दुःख है। कार्यकर्ताओं को मानें तो पूर्व मंत्री का प्रोटीकोल लगभग 1:00 बजे डोंगरगढ़ रैस्ट हाउस में



पहुँचना था। जहाँ कई दर्शन कार्यक्रमों उनके स्वागत का इंतजार कर रहे थे। परन्तु वे सर्वप्रथम छोरपाटी परिसर पहुँचे जहाँ अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ माता का आशीर्वाद लिया। दर्शन वापसी के दौरान जब यह घटना घटी उस समय तक रैस्ट हाउस में इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं को इसकी कोई जानकारी नहीं थी। जैसे ही इस घटना की जानकारी कार्यकर्ताओं में फैली सबक होश उड़ गए। आनन फानन में कई जिम्मेदार कार्यकर्ता

घायल नेताओं को उपचार के लिए राजनांदगांव रवाना हुए।

पूर्व जिला उपाध्यक्ष ने की धाने में शिकायत

मंदिर दर्शन करने आए पूर्व गृह मंत्री रायसेवक पैकरा, प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा, भिर्वाड के पाण्डे दया सिंह। दर्शन के दौरान ट्रस्ट द्वारा संचालित रोपवे में दुर्घटना की शिकार हो गए। जिसमें भारत वर्मा को गंभीर आस्था में विला अस्पताल रिफर किया गया है। इस घटना में रोपवे संचालक के द्वारा गौर लालवाही को देख पूर्व जिला उपाध्यक्ष हरविंदर एस मीह के द्वारा धाने में लिखित शिकायत की गई है। तथा जिम्मेदारों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग भाजपा के सभी नेताओं ने की।

ट्रस्ट ने घटना की गंभीरता को देख रफ़ा अपना पक्ष

दोपहर 1:30 बजे के करीब घटित हुई इस घटना में ट्रस्ट मंडल ने अपना पक्ष रखते हुए बताया की। वर्तमान समय में दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए आधुनिक स्तर के रोपवे का संचालन दामोदर ईंज के द्वारा 7 साल के अनुबंध के साथ कराया जा रहा है। जिसका समय-समय पर सुरक्षा की देखभाल में सेंटनेस कराया जा रहा है। अध्यक्ष मनोज अग्रवाल की मानें तो आज की घटना एक दुःखद घटना है। जल्द ही इस घटना की लेकर कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाएगा। आगे किसी

प्रकार की ऐसी दुर्घटना ना हो इसकी लेकर भी प्रयास किए जाएंगे।

कंपनी की मानें तो प्राथमिक जांच में लो वोल्टेज समस्या के कारण हुई घटना

प्रेस कॉन्फ्रेंस में दामोदर कंपनी के साइड इंचार्ज अर्धम ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि मेन लाइन से लूप लाइन होने हुए टूटनी आ रही थी। इस दौरान लो वोल्टेज की समस्या के कारण टूटनी डिरल हुई। दोपहर को हुई इस घटना में पांच विद्यार्थी सहित ट्रस्ट के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल दुर्घटना के शिकार हुए हैं। परंतु प्रेस कॉन्फ्रेंस में लो वोल्टेज की समस्या को देखते हुए विद्युत विभाग से पंचायत की बात पर कंपनी के पास कोई जवाब नहीं था।

ज्ञान मंथन

- 1) भारतीय रेल का सबसे नया क्षेत्र कौन-सा है?
- 2) सम्राट अशोक की वह पत्नी कौन थी जिसने उसको प्रभावित किया था?
- 3) दीवान-ए-अमीर-कोही नामक एक नया विभाग किस सुल्तान द्वारा शुरू किया गया था?
- 4) राजस्थान का हृदय किसे कहा जाता है?
- 5) गणित के लिए एबेल पुरस्कार 2025 में किसको दिया गया?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) दक्षिण टट रेलवे ज़ोन, विशाखापटनम (2) करुवाकी (3) मुहम्मद बिन तुग़लक (4) अजमेर और नागौर (5) सामाजी

जंगलेश्वर शिवनाथ नदी मोखला मार्ग में सुरभीकरण किया जा रहा है

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। ग्राम जंगलेश्वर से शिवनाथ नदी मोखला मार्ग पर मुनीनकर कार्य किए जा रहे हैं। राजनांदगांव शहर से लगभग 7 किलोमीटर दूरी से ग्राम जंगलेश्वर से मोखला मार्ग, जिसकी लंबाई 2.10 किलोमीटर है, अनुमानित लागत 28.054 लाख, बैकके क्रमांक mmg99 gjn से 02 अनुबंध क्रमांक दिनांक 25 & 28, 2023, कार्य पूर्ण दिनांक 06.24, 2024, केन्द्र का नाम व पास पास एन एनएडएनएन ग्राम नदी, एनडीओ का नाम श्री जी के कल्याण कार्यालय अतिरिक्त ग्रामीण विकास संगठन जंगलेश्वर, किसानजन विकास पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग जंगलेश्वर शासन द्वारा जंगलेश्वर से शिवनाथ नदी मोखला मार्ग का निर्माण किया गया है। बोटी दिनों में जंगलेश्वर पक्षों के माध्यम से खबर लगने की ठेकेदार ने सड़क की सुधी लो और जंगलेश्वर मोखला मार्ग में सुरभीकरण किया जा रहा है।

निधन

कांति शुक्ला राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। गांधी नगर वसंतपुर निवासी श्रीमती कांति शुक्ला का आज सायंकाल निधन हो गया। वे लगभग 74 वर्ष की थीं। श्रीमती शुक्ला स्व. दिनेश शुक्ला की धर्मपत्नी, पञ्चकार राजीव शुक्ला एमएम एवं संजीव शुक्ला की माता थीं। वह कांभे सरल,मिलनस्वभाव और धार्मिक प्रवृत्ति की थीं। उनकी अंतिम यात्रा कल 26 अप्रैल को सुबह 11 बजे गांधी नगर स्थित निधन निवास से लखौली मुफ्तामार्ग के लिए निकलेगी।

निधन

विश्वमल यादव राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। अत्यंत दुःख के साथ सूचना किया जाता है कि मैं संतोष यादव मेरे पुत्र पिता श्री विश्वमल यादव का दिनांक- 25/04/2025 दिन शुक्रवार स्वाभाविक से गुमा ईश्वर उनकी दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार को लखौली मुफ्तामार्ग से सम्पन्न हुआ। शिवमल यादव जी की मोतीलाल यादव स्मृतिवादी सेवा के देह भूषण से वे अपने पीछे भरा-पूरा परिवार छोड़ गये। उक्त जानकारी एक प्रेस के माध्यम से मोतीलाल यादव के द्वारा दी गई।

अस्मिता सिटी हॉकी लीग में साई राजनांदगांव का कब्जा

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। स्पेक्टस अकादमी ऑफ हॉकी के मार्गदर्शन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्त्वधान में एक द्वितीय अस्मिता सिटी लीग का आयोजन आज दिनांक 24 अप्रैल 2025 को अंतराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में आयोजित किया गया। जिसमें राजनांदगांव का 3 टीम, साई राजनांदगांव, चिखली व हॉकी राजनांदगांव ने भाग लिया। जिसके तहत पहला मैच चिखली विरुद्ध साई राजनांदगांव के मध्य खेला गया जिसमें साई राजनांदगांव ने 5-0 गोल से जीत दर्ज की साई राजनांदगांव की ओर से राहु गौड़ ने 1-1 गोल और सोनल पवार और हिरा देवगन ने 1-1 गोल किया वहीं दूसरा मैच हॉकी राजनांदगांव विरुद्ध चिखली के मध्य खेला गया जिसमें हॉकी राजनांदगांव ने 2-0 गोल से जीत हासिल आज का फाइनल मैच साई राजनांदगांव विरुद्ध हॉकी राजनांदगांव के मध्य खेला गया।

हॉकी के अध्यक्ष अश्वथ फिरोज अंसारी, खेल विभाग के महाकाय संचालक ए. एका, वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ी नीलम जैन, गुणवत्त पटेल, की विशेष उपस्थिति में किया गया, तथा फाइनल मैच एवं पुरस्कार वितरण समारोह श्री सतीश व्यवाहारे, डी एस सी, की रणक अंसारी ए पी सी, श्री आदर्श कानिकर ए पी सी, श्री पी आर झाड़े, श्री रजेश साहू, श्री ए कृष्ण सहायक संचालक खेल एवं युवा कल्याण विभाग, श्री फिरोज अंसारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ हॉकी की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उपस्थित अधिकारियों ने अपने उपबोध में कहा कि आज का दिन महिला हॉकी के लिए बहुत

हो विशेष है चिखली, उपविभागा टीम को शुभकामनाएं दी गईं, तथा भविष्य में और भी बेहतर तरीके से प्रदर्शन को अपेक्षा की गई। आने वाले दिनों में चिखली हो सके सभी खिलाड़ी अच्छे से मेहनत कर अपने अच्छे खेल का परिचय देकर अपने नामों को सफल बनाने वाले समय में अपने खिला राज्य व देश का नाम रोशन करेंगे। आज का फाइनल मैच साई राजनांदगांव विरुद्ध डी एच ए राजनांदगांव के मध्य खेला गया जिसमें दोनों टीमों के मध्य बहुत रोमांचक मुकाबला दर्शकों को देखने को मिला और मैच के अंतिम समय तक दोनों टीमों 1-1 गोल की बराबरी पर रही और इस मैच का फैसला शूटआउट के माध्यम से किया गया जिसमें साई राजनांदगांव ने डी एच ए राजनांदगांव को 2-1 गोल

से पराजित कर फाइनल का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट तथा उपविजेता टीम को ट्रॉफी व सर्टिफिकेट दिया गया वहीं तीसरे स्थान पर रही चिखली को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। अस्मिता सिटी लीग हॉकी के फाइनल मैच व समापन समारोह में प्रमुख रूप से जिला हॉकी संघ के सचिव शिवनारायण धकेल, अंतराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मुगल चौबे, भूपण सच.निर्देशक जैन, छोटे लाल गुमटेके (पारदर्), गुणवत्त पटेल, चंदन सिंह भाटनाड, सुंदर सोनकर,महेंद्र सिंह ठाकुर, लिखा चौबे,किशोर् धीवर, प्रेणना राय,शकील अहमद,एन।आर।एस हॉकी कोच,आनंद साहू,अनीस रजा, दिलीप रानत,जितो साहू, सुंदर साहू, मुकेश जयसवाल, पारमवती (साई कोच) खुराल यादव, योगेश साहू, महमूद, सुबोरी हैदरी, प्रिय भाटिया,अभिषेक मिश्रा,विश्व साहू, रिंकु सिंह, कृष्ण यादव, आरती शेंडे (हॉकी कोच) प्रियंका चौबे, आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

रानी दुर्गावती महाविद्यालय में मनाया सीजर ब्लेड तक नहीं अस्पताल में, पोस्टमार्टम के लिए परिजनों से मंगवाया औजार

विभाग के विभागाध्यक्ष सुशी अंबना साहू का विशेष सहयोग रहा। इस कार्यक्रम की विजेता छात्रा जलकन (बीकम द्वितीय सेमेस्टर) को सुशी नीतू डोंगरे एवं सुशी किरण शर्मा मैट्रन के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। उपविभागा छात्रा किरण निषाद (चौपट्टी द्वितीय सेमेस्टर) को डॉक्टर परीनिता मर्कर एवं अंबना साहू मैट्रन के द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया तथा तृतीय स्थान पर रही छात्रा सुकृत (बीएएस द्वितीय सेमेस्टर) को डॉ. अखिलेश कुमार वाहन, चंदन जोशी एवं प्रणिता साहू सर द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी के साथ सुशी नीतू डोंगरे मैट्रन ने बच्चों को आशीर्वाद वन देते हुए कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की।

राजनांदगांव (नांदगांव टाइम्स)। आज दिनांक 22/04/2025 को रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय साल्हेवारा के प्राचार्य श्री डी पी. कुरें सर के मार्गदर्शन में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री धनंजय वर्मा के द्वारा किया गया। जिसमें महाविद्यालय के प्रभारी

डोंगरगांव (नांदगांव टाइम्स)। सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को लापरवाही एक बार फिर डोंगरगांव में सामने आई है। बगईर गांव को एक महिला के आत्महत्या किए जाने के बाद, जब उसका शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) डोंगरगांव लाया गया, तो वहां बुनियादी चिकित्सा उपकरणों का अभाव देखने को मिला। पोस्टमार्टम के लिए जरूरी सीजर ब्लेड और स्लैम तक अस्पताल में मौजूद नहीं थे, — और शर्माक रूप से अस्पताल प्रबंधन ने यह समझ मूकता के परिजनों से मंगवा लिए। पंचज बार्डर निर्वासी ममता निषाद की है, जिसने परिवारिक विवाद से आहत होकर जहर खा लिया। परिवार में अनान-बनन में उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। पुलिस ने मां कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी भेजा।

मजबूत में सामना लेकर आए। 320 रुपये की सामग्री नहीं, पर 19 लाख की सालाना कर्जा डोंगरगांव का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सालाना 19 लाख रुपये की आय करता है। यह राशि जीवोदारी संचालित मुल्क, लैब बाय, एक्सरे और आयुर्वेदिक योग्यता से इलाज के पत्रों में प्राप्त होती है। इसके अलावा राजन सरकार से पत्रों में प्राप्त होने के लिए अलग बजट भी सीधे अस्पताल को मिलता है।

ये दोस्तों, एक सर्विकल ब्लेड, शव पैकिंग डिब्बा और डिब्बा 2 लाख आबादी पर खोज, लेकिन सुविधाएं नकार सरकारी मापदंडों के अनुसार, एक सीएचसी 80,000 से 1.2 लाख आबादी के लिए होता है। अगर डोंगरगांव का सीएचसी करीब 2 लाख लोगों को जिम्मेदारी संचालन रहा है। इसके अधीन 7 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 32 सब-सेंटर हैं। जिम्मेदार का ये है कदम

में अभी हाई कोर्ट आया हूँ, इस विषय को मुझे जानकारी नहीं है। पता करता हूँ। डॉ.नराम नवलन, जिला मुख्या चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राजनांदगांव

संस्था प्रमुख, प्राचार्य एवं शिक्षक नहीं रहते है मुख्यालय में : स्वाधीन जैन

आईओ की सल्लिकता सद्विद्य, साथी को ही बना दिये जावकर्ता

कि विगत दिने इसी प्रकार या कन्या पूर्व मा. शाला पचासवीं के प्रधानाध्यक्ष को शिक्षण हूँ भी जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी बलदेव द्वारा रायपुर, दृष्टि भिन्न हैं से ही आने वाले प्राचार्यों को जांचकर्ता बनाया गया जिसके द्वारा 22 अप्रैल में शाला की संस्था प्रमुख की कुछ बिंदुओं से जांच की गयी किंतु इस जांच में जनपद शासन, संरक्षण एवं परंपरा का कोई भी अभिमान नहीं लिया गया यह बड़े को जांच दायरे से आंधरों का विपुल किंग उक्त संस्था-प्रमुख-प्रमुख है को प्रमाणों में ही शासन की शक्ति बनने की कोशिश की जा रही बाकि कि कि ऐसे संस्था प्रमुखों को जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा कई संरक्षण दिया जा रहा है कि कि आना मुख्यालय के डीईओ द्वारा मंजूरी को पत्रों परते नगर आह रही है। छात्रावृद्ध शासन के अंदरगतनगर मुख्यालय कार्यस्थल से ही रखा जावे इसकी धनियान उद्घाते डीईओ

है।(डीईओ) बलाक के कई कर्मचारियों जैसे पचासवीं जल हलकल की प्राचार्य और भी कई शिक्षक-निर्वाहकर्ता प्रतिदिन बाहर से ही आना करते हैं और बच्चों के भविष्य के साथ छिड़वाए करते हुए शासन में उड़ जाता भी लेते हैं। जबकि प्रदेश में छात्रावृद्ध शासन विपुल देव की सुशासन एक तत्कालीन स्तर को मजबूत करने में लगी है अगर वही बलदेव जिला के डीईओ द्वारा मंजूरी को पत्रों परते नगर आह रही है। छात्रावृद्ध शासन के अंदरगतनगर मुख्यालय कार्यस्थल से ही रखा जावे इसकी धनियान उद्घाते डीईओ

उपरिस्थिति दर्ज कर लेते हैं। उक्त प्रधानाध्यक्ष को कई बार कारण बताओ नोटिस जारी हो चुका है किंतु जांच कर्ता द्वारा तीपारोती करना, ग्रामीणों का अभिमान नहीं लेना जिला शिक्षा अधिकारी बलदेव की सल्लिकता को दर्शाता सामने आई। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि सीजर ब्लेड और अन्य जरूरी औजार उपलब्ध नहीं हैं, और मुक्तिका के पड़ोसी राम निषाद और परिवारों ने बताया कि अस्पताल प्रबंधन ने कहा गया कि वे पास की मॉडिकल दुकान से ये सामग्री लेकर आए। परिवारों ने

बलाक के कर्मचारियों को देखा जा सकता है। शासन का एक बड़ा हिस्सा ऐसे ही भागीदारी में उड़ जाता है और गौतम-जगत देखते रह जाते हैं। गौरतलब कि यह है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी द्वारा ऐसे व्यक्ति को जांच अधिकारी की जांच हेतु नियुक्त किया गया इसमें छिपापन व शिकायत हुई है उनके साथ ही रोज व भी अना-जान करते हैं। दुरी निर्वाह, रायपुर से साथ में एक ही वाहन क्रमांक सीजी 07

धर्म समाचार....



इस साल अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल 2025 को मनाया जाएगा। इस दिन पर शुभ मुहूर्त सुबह 06 बजकर 10 मिनट से दोपहर 12 बजकर 35 मिनट तक रहने वाला है। इस दिन पर यदि आप मां लक्ष्मी की पूजा के दौरान कनकधारा स्नान का पाठ करते हैं तो इससे आपको अपार सुख-समृद्धि की प्राप्ति हो सकती है। देवी लक्ष्मी की कृपा किसी लक्ष्मी पर बरस जाए, तो उसके भाग्य को बदलते देर नहीं लगती। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए अक्षय तृतीया एक उत्तम तिथि मानी गई है। ऐसे में आप इस दिन पर लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्ति

के लिए श्री कनकधारा स्तोत्रम् स्तोत्र का पाठ कर सकते हैं।
॥ श्री कनकधारा स्तोत्रम् ॥
अंशुहरे पुलकभूषण माशयन्ती भृंगानेव मुकुलभरणे समालम् ।
अंगीकृतास्तु विभूतिरपंगलीला मांगल्यदास्तु मम मोलबलवायाः ॥
मृगया मुहुर्विदधती वदन्ते मुरारिः प्रेमप्रवणप्रतिष्ठितान् गतागतान् ।
माता दूरीमोक्षक विमोहीत्यले या सा मैं त्रिवं दिस्तु सागर सम्भवयाः ॥
विश्वामेन्द्रपदविभ्रमदानरक्षमानन्द हेतु रधिकं मुमुक्षुर्विभोपि ॥
ईश्वरिणीदत्तु मयि क्षमणीयादर्शमिन्दोरोदर सहोदरमिन्दिरावः ॥
आमीलितक्षमधिगम्य मुदा मुकुन्दमानन्दकन्दम् निमेषमनन्तनजः ॥
आकेकर स्थित कनी निकपक्षम नेत्रं भूले भवन्मम भुजंगरायोगनायाः ॥
बालान्तरे मधुभिजः श्रितकौस्तुभे या हारावलीव हलीनगमयी विधाति ॥
काप्रदा भगवती पि कटाक्षमाला कल्याण भाग्यदो मे कमलालयायाः ॥
कालान्धुदलललितलितरिसे केतभरंधराधरे स्मृति या तद्धर्षनेन ॥

मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न, अक्षय तृतीया की पूजा में जरूर

मातुः समस्त जगतां महनीय मूर्तिप्रदापि मे दिस्तु भावनिन्दनयाः ॥
प्राप्तं पदं प्रथमतः किल यत्तथाभाव्यांगल्यं भाजिः मुमुक्षुमयि मन्यन्धे ॥
मध्यापतेत दिह मन्यर मोक्षणाद् मन्दालसं च मय्यदकलकन्यकायाः ॥
दमदाद दयानुमतीं द्रविणायुधभाराम् स्मिभक्तिचन विहंग शिली विषण्ण ॥
दुष्कर्ममर्मपनीयं धियार द्युर् नारायण प्रणयिनी नमोस्तुनवाहः ॥
इहा विशिष्टमतयो पि यथा ययार्द्धदृष्ट्या त्रिविधपदं सुलभं लभते ॥
दृष्टिः प्रहृष्टकमलोदर दीप्ति रिशं पुष्टि कृषीष्ट मम पुष्कर विवराणाः ॥
गौर्दवतैति गरुडुष्यक भामिनीति शाकम्भरीति शशिरोक्ष्ण वक्षोभति ॥
सृष्टि स्थिति प्रजय केलिपु संस्थिताये तस्यै नमस्ति भूषनैक गुरोरलक्ष्म्ये ॥
रश्मये नमोस्तु शुभकर्मसु सूर्यस्यै रत्ये नमोस्तु रमणीय गुणधराय ॥
शुक्रये नमोस्तु शतपात्र निकेतनाये पुष्टये नमोस्तु पुष्पामृत वक्षोभति ॥
नमोस्तु लक्ष्मी नितनवाये नमोस्तु दुर्धीधति जन्म भूये ॥
नमोस्तु सांमामृत सोदराये नमोस्तु नारायण वक्षोभते ॥

वक्षोभते ॥
सम्पत्कराणि सकलेन्द्रिय नन्दानि साम्राज्यदान विभवानि सरोरुक्षि ॥
हृद द्वेदानीं दुरिता हरणघटाति मामेव मातर निशं कलयन्तु नान्यम् ॥
सम्पत्कराणि सकलेन्द्रिय नन्दानि साम्राज्यदान विभवानि सरोरुक्षि ॥
सर्वसौतिन वचनगमनासंस्वयां मुरारिहृदये शरीं भवे ॥
सरसिजनिजले सरोज हरते धनमालांशुकनमाल्यशेषो ॥
भगवति हारवक्षो मनीजे त्रिभुवनभूतिकर प्रसीद महाम् ॥
दधिर्दलितः कनकंभूषा व सृष्टिस्वर्वाहिनी विमलचारु जल प्लुतिगमि ॥
प्रातर्मामाभि जगतां जननीमशेषे लोकाधिनाय गृणिणीं मुमूर्तिभरुक्नीः ॥
कमलसे कमलालवक्षोभे त्वं कारणपूरुतरां गतिराहूः ॥
अवलोक्य माम किंचनानां प्रथमं पात्रमकुत्रिमं दयाः ॥
सुखानि ये स्तुतिपर भूमिरन्वहं त्रयीमयं त्रिजगन्मातरं रम्यः ॥
गुणाधिका गुरतरभाग्यभागिनो भवन्ति ते बुधभावितयाः ॥

युधिष्ठिर और कर्ण की प्रेरक कथा-एक व्यक्ति अपने पिता के दाह संस्कार के लिए चंदन की लकड़ियां खोजते हुए युधिष्ठिर के पास पहुंचा महाभारत में जीवन प्रबंधन, नैतिकता और नेतृत्व के लहरे सुझा छि है। महाभारत में एक कथा है, जिसमें युधिष्ठिर और कर्ण की तुलना होती है। कथा में जब एक व्यक्ति अपने पिता के दाह संस्कार के लिए चंदन की लकड़ियां खोजते हुए पहले युधिष्ठिर और फिर कर्ण के पास पहुंचता है। जानिये ये पूरी कथा और इस कथा को सीख... एक व्यक्ति के पिता का देहल हो गया तो वह सोचने लगा कि मुझे अपने पिता का अंतिम संस्कार चंदन की लकड़ियों से करना चाहिए। इस समय बाहर हो रही थी, इस कारण कर्ण भी चंदन की सूखी लकड़ियां नहीं थीं। उस व्यक्ति ने विचार किया कि मुझे अपने राजा युधिष्ठिर के पास जाना चाहिए। युधिष्ठिर के पास संसारनों को कोई कर्म नहीं था। जब व्यक्ति युधिष्ठिर के पास पहुंचा तो युधिष्ठिर ने उससे कहा कि चंदन की लकड़ियां तो बहुत हैं, लेकिन बाहर की बजह से भोग गई हैं। ये सुनकर वह व्यक्ति वहां से निराश होकर कर्ण के पास पहुंचा। कर्ण को स्थिति भी प्यारी थी, उसके पास की चंदन की लकड़ियां भी भोग चुकी थीं, लेकिन कर्ण ने थोड़ा सोच-विचार किया कि मेरे पास से आज तक कोई खाली हाथ नहीं गया है, इसे भी खाली हाथ नहीं जाना चाहिए। कर्ण के पास जो सिंहासन था, वह चंदन की लकड़ी से ही बना था। कर्ण ने तुरंत ही अपना सिंहासन तोड़कर उस व्यक्ति को चंदन की लकड़ियां दीं।

